हे गुरुवर अभिनन्दन है भजन लिरिक्स

हे गुरुवर अभिनन्दन है,
पद पंकज में वंदन है,
हे गुरुवर अभिनन्दन हैं।lbd।

ज्ञान की मूरत कुंदन मन है,
आप जगत में एक रतन है,
शीश धरूँ गुरु चन्दन है,
हे गुरुवर अभिनन्दन हैं।lbd।

तन मन कर अर्पित गुरु पद में,
ध्यान धरो श्री हरी के पद में,
गुरु सेवा जीवन धन है,
हे गुरुवर अभिनन्दन हैं।lbd।

हे गुरुवर अभिनन्दन है,
पद पंकज में वंदन है,
हे गुरुवर अभिनन्दन हैं।lbd।

Singer – Arpit Sharma

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com